Date 8/05/2020 TEACHING OF SCIENCE D.El.Ed. IV th Sem

Topic - रक्त Period - Ist

श्वेत रुधिर कोणिकाओ के कार्य =)

शरीर को जब भी कोई रोगाणु या दूसरा परजीवी प्रभावित करता है। तो श्वेत रुधिर कोणिकाओ की संख्या मे वृद्धि हो जाती है। ये प्रतिरक्षा का कार्य करती है। जिससे शरीर में रोग उत्पन्न न हो या उसका प्रभाव कम हो जाये।

=) श्वेत रुधिर कोणिकायें शरीर में अशक्त तथा टूटी हुई कोशिकाओ का भक्षण कर रुधिर की सफाई करती है।

रुधिर प्लेटलेट्स =)

रुधिर प्लेटलेट्स आकार मे बहुत छोटी, केन्द्रकविहीन, द्विउत्तलीय प्लेटनुमा होती है। एक घन मिमी. रक्त में इनकी संख्या 2,50,000 तक होती है।

रुधिर प्लेटलेट्स के कार्य =)

रुधिर प्लेटलेट्स रुधिर का थक्का बनाने में सहायता करती है। जो चोट लगने के कारण लगाकर होने वाले रुधिर बहाव को नियन्त्रित करने में सहायक होती है।

रुधिर के कार्य (Function of Blood) =)

रुधिर कैसे जम जाता है =)

रुधिर का जमना एक

Scanned with CamScanner

रासायनिक क्रिया है। रुधिर जमने की सम्पूर्ण प्रक्रिया विभिन्न चरणों में पूरी होती है। शरीर के क्षतिग्रस्त स्थान को रुधिर कोशिकाय फट जाती है। और रुधिर बहकर वायु के सम्पर्क में आता है। क्षतिग्रस्त उत्तकों के रुधिर की प्लेटलेट्स के विघटित होने से एक तत्व बनता है। इन रेशों में रक्त कोशिकाय R.B.C और W.B.C उलझ जाती है। और क्षतिग्रस्त स्थान पर लाल थक्का जम जाता है। और रक्त बहना रुक जाता है। थोड़े समय बाद क्षतिग्रस्त स्थान से फाइब्रिन जाल से एक हल्के पीले रंग का द्रव निकलता है। क्या आपने कभी किसी चोट या घाव से निकलते ऐसा स्राव देखा है। इसे सीरम कहते हैं।

Continue

8/5/2020